

संपादकीय

फिर किसानों का जमावड़ा

उत्तर भारत के पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों से बड़ी संख्या में किसानों का दिल्ली मार्च शुरू करना कोई अच्छा संकेत नहीं है। लेकिन जिस तरह से पंजाब और हरियाणा की सीमा पर इन किसानों को रोकने के लिए पुलिस की ओर से कथित तौर पर डोंगे के जरिये आंसू गैस के गोले बरसाये गये, उसके विजुअल प्रेशर करते हैं। हालांकि इसका मतलब यह है कि किसानों की सभी मरण वाजिब हैं। जिस तरह को तेवरियों के साथ किसानों के अलग-अलग जर्जे आ रहे हैं, उससे लगता है कि वे इस भार भी लें औं आंदोलन का मन बना चुके हैं। अगर ऐसा हुआ, तो उसका मतलब होगा राष्ट्रीय राजधानी के ईर्ष-गिर्द लंबे समय की जर्जेवारी, जिससे न केवल दिल्ली-एनसीआर में हड्डे वालों का दैनिक कामकाज वाधित होता है, बल्कि बाहर यह संदेश भी जाता है कि देश में शायद सब कुछ ठीक-ठाक नहीं है। किसानों की तरफ से जिसे मुख्य मांग के रूप में पेश किया जा रहा है, वह है एमएसपी, यारी न्यूतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी। वह मांग अव्यावहारिक है। वह समझना जरूरी है कि ऐसी कोई भी गारंटी वास्तव में

महज एक कामजी

वादा होगा। अनुभव बताता है कि यह वादा अमल में नहीं आता। मिसाल के तौर पर भारत सरकार 22 फसलों के न्यूतम समर्थन मूल्य घोषित करती है, लेकिन इन सबका फायदा किसानों को नहीं मिल पाता। उन्हें

एमएसपी की तरफ से जिसे मुख्य मांग

के रूप में पेश किया जा रहा है, वह है कि उसके विजुअल प्रेशर के अंतर्गत विभिन्न पहलों की शुरूआत की गयी है। इन पहलों में आमनिर्भर भारत अधियान के तहत शुरू की गयी उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआइ) योजना सबसे प्रमुख है।

घरेलू विनिर्माण में आमूल-चूल

बदलाव के लक्ष्य के साथ शुरू की गयी पीएलआइ योजना का उद्देश्य क्षमता व दक्षता को बढ़ाना और वैश्विक वैपायन का निर्माण करना है। इसके व्यापक लक्ष्यों में शामिल हैं- रोजगार सृजन करना, पर्यावरण विवेश आकर्षित करना, विनिर्माण केंद्रों के रूप में स्थापित करना।

इसके गुणक प्रभाव से सकल घरेलू

उत्पाद में विनिर्माण क्षेत्र के

योगदान में सांभावित वृद्धि हो

सकती है तथा घरेलू

कंपनियों का क्षेत्रीय और

वैश्विक उत्पादन

नेटवर्क के साथ निर्वाचित

एकीकरण हो सकता है।

अपने शुभांग के

बाद से पीएलआइ योजना

ने महत्वपूर्ण उपलब्धियां

हासिल की हैं। 746 आवेदनों को

मंजूरी मिलने के साथ इस योजना ने कुल

1.07 लाख कोरोड़ रुपये का निवेश

अर्जित किया है। रोजगार सृजन पर भी

कामी महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है। प्रत्यक्ष

और अप्रत्यक्ष दोनों में। रोजगार के

लगभग सात लाख नये अवसरों का

सृजन हुआ है। इसके अलावा उत्पादन

और विक्री बढ़ाने का उत्पादन

रुपये हो गयी है तथा प्रोत्साहन के रूप में

4,415 करोड़ रुपये वितरित किये गये

हैं। प्रत्यक्ष लाभार्थियों में आठ पीएलआइ

की खेती के इलाके में थोड़ी बढ़ोत्तरी हुई। साफ है कि किसान इस तथ्य को समझते हैं कि सिर्फ एमएसपी घोषित कर देने से उन्हें फायदा नहीं होता। असल बात यह है कि उन्हें बाजार में सही मूल्य मिले। लेकिन सबाल यह भी है कि पिछले आंदोलन के दौरान किसानों के खिलाफ दर्ज किये गये मामले सहमति के बावजूद अभी तक वापस क्यों नहीं लिये गये। कई मामलों में उस दौरान जब तक किये गये ट्रैक्टर अभी तक नहीं ढोड़े गये हैं। किसानों की ये शिकायतें बिल्कुल वाजिब हैं। उनकी मांगों की सूची में ऐसी और भी चीजें देखी जा सकती हैं, जो तक्ससंगत हैं। उन पर सही कदम तकाल उठाये जायें और एमएसपी की अव्यावहारिकता उन्हें समझायी जायें।

अभिमत आजाद सिपाही

पीएलआइ योजना का डिजाइन यह सुनिश्चित करता है कि यह प्रोत्साहन साथी जारी होने से पहले विक्री (नियांत सहित) के साथ-साथ अतिरिक्त निवेश की तुलना में राजस्व अपने ने आलनिर्भर है, योकि वितरित किये जाने वाले प्रोत्साहनों को हिसाब में शामिल किया जाये, तो यह अपने लिए अधिक मुद्दा हो जाता है। इसका मतलब यह है कि शुद्ध वर्गमान मूल्य के अंतर्गत विभिन्न पहलों की शुरूआत की गयी है। इन पहलों में आमनिर्भर भारत अधियान के तहत शुरू की गयी उत्पादन से जुड़ी प्रमुख है।

भारत की पीएलआइ योजना की उपलब्धि और भविष्य की संभावनाओं का मूल्यांकन

राजेश कुमार सिंह



भारत की उल्लेखनीय विकास गाथा में यदि कोई चुनौती अभी तक बनी हुई है, तो यह विस्तृत विनिर्माण क्षेत्र से जुड़ी है, जिसका भारत के जीवीय में विस्तृत विनिर्माण



क्षेत्रों की 176 एमएसएम शामिल हैं।

वित्तीय वर्ष 2021-22 से वित्त वर्ष 2028-29 तक सात साल की अवधि में, पीएलआइ योजना के तहत, 14 प्रमुख क्षेत्रों में तीन लाख कोरोड़ रुपये की निवेश प्रतिवर्षाएं व्यक्त की गयी हैं, जिसमें फॉर्मस्टान, सैमसंग, विप्रो, टाटा, रिलायंस, आईटीसी, जेप्रोडब्ल्यू, डावर विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करना।

इसके गुणक प्रभाव से सकल घरेलू बदलाव के लक्ष्य के साथ शुरू की गयी पीएलआइ योजना का उद्देश्य क्षमता व दक्षता को बढ़ाना और वैश्विक वैपायन का निर्माण करना है। इसके व्यापक लक्ष्यों में शामिल हैं- रोजगार सृजन करना, पर्यावरण विवेश आकर्षित करना, विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करना।

ये सफलताएं एक मजबूत और आलनिर्भर इकोसिस्टम के क्रियाकारी वैश्विक विनिर्माण क्षेत्र के रूप में स्थापित करने के लिए उत्पन्न न्यूनीतियों की ताकत की वैश्विक विनिर्माण क्षेत्रों की 176 एमएसएम शामिल हैं।

पीएलआइ योजना स्मार्टफोन निर्माण में विशेष रूप से प्रभावी साथित हुई है, जिसमें मोबाइल निर्माण में लगभग नानाय से 2022-23 के 11 बिलियन डॉलर की शुद्ध वर्तमान मूल्य और अपने एप्लिकेशनों के संदर्भ में योगदान देखा जा रहा है।

अगले 2-3 वर्षों में शेष 14 क्षेत्रों पर भी दूसरी एमएसपी योजना का उन्मान है। मोबाइल विनिर्माण (वर्तमान में 20 प्रतिशत) जैसे क्षेत्रों में पर्यावरण स्थानिक विनिर्माण की ताकत है।

पीएलआइ योजना का उद्देश्य विनिर्माण क्षेत्र के रूप में स्थापित करने के लिए उत्पन्न न्यूनीतियों की ताकत है। इसके अलावा योगदान देखा जाता है कि योगदान देखा जाता है।

ये सफलताएं एक मजबूत और आलनिर्भर इकोसिस्टम के क्रियाकारी वैश्विक विनिर्माण क्षेत्रों की 176 एमएसएम शामिल हैं।

ये सफलताएं एक मजबूत और आलनिर्भर इकोसिस्टम के क्रियाकारी वैश्विक विनिर्माण क्षेत्रों की 176 एमएसएम शामिल हैं।

ये सफलताएं एक मजबूत और आलनिर्भर इकोसिस्टम के क्रियाकारी वैश्विक विनिर्माण क्षेत्रों की 176 एमएसएम शामिल हैं।

ये सफलताएं एक मजबूत और आलनिर्भर इकोसिस्टम के क्रियाकारी वैश्विक विनिर्माण क्षेत्रों की 176 एमएसएम शामिल हैं।

ये सफलताएं एक मजबूत और आलनिर्भर इकोसिस्टम के क्रियाकारी वैश्विक विनिर्माण क्षेत्रों की 176 एमएसएम शामिल हैं।

ये सफलताएं एक मजबूत और आलनिर्भर इकोसिस्टम के क्रियाकारी वैश्विक विनिर्माण क्षेत्रों की 176 एमएसएम शामिल हैं।

ये सफलताएं एक मजबूत और आलनिर्भर इकोसिस्टम के क्रियाकारी वैश्विक विनिर्माण क्षेत्रों की 176 एमएसएम शामिल हैं।

ये सफलताएं एक मजबूत और आलनिर्भर इकोसिस्टम के क्रियाकारी वैश्विक विनिर्माण क्षेत्रों की 176 एमएसएम शामिल हैं।

ये सफलताएं एक मजबूत और आलनिर्भर इकोसिस्टम के क्रियाकारी वैश्विक विनिर्माण क्षेत्रों की 176 एमएसएम शामिल हैं।

ये सफलताएं एक मजबूत और आलनिर्भर इकोसिस्टम के क्रियाकारी वैश्विक विनिर्माण क्षेत्रों की 176 एमएसएम शामिल हैं।

